सफलता की कहानी

नाम	मोहम्मद वसीम
पद	हवलदार (से.नि.)
कार्यक्षेत्र	भारतीय थल सेना
प्रशिक्षण का नाम	पुर्नवास प्रशिक्षण कार्यक्रम (पी0आर0सी0)
प्रशिक्षण की अवधि	02 दिसम्बर 2019 से 21 फरवरी 2020
प्रशिक्षण स्थल	उद्यमिता विकास संस्थान उ0प्र0, लखनऊ
वर्तमान स्वरोजगार	मेसर्स ए0आई0 इन्टरप्राइजेज

स्वरोजगार हेतु विचार

मैं मोहम्मद वसीम, भारतीय थल सेना से 30 जून 2020 को 25 वर्ष की सेवा उपरान्त हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुआ। सेवा के दौरान मुझे ज्ञात हुआ कि सेवानिवृत्त के पूर्व पुर्नवास महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जे0सी0ओ0/अन्य रैंक को प्रशिक्षण भी प्रदान किये जाने की व्यवस्था दी जाती है। मैंने सोच–विचार के उपरान्त **स्टोर कीपर** विषय में **उद्यमिता विकास संस्थान, उ0प्र0 लखनऊ में** संचालित होने वाले प्रशिक्षण में दिनांक 02 दिसम्बर 2019 से 21 फरवरी 2020 तक प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुझे स्टोर कीपर के सभी पहलुओं पर विषयक जानकारी के साथ साथ कई प्रतिष्ठानों में व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करने का भी सुअवसर मिला। साथ ही व्यक्तित्व विकास एवं स्वरोजागर स्थापना के संबंध में भी समय–समय पर जानकारी एवं उद्यमियों के साथ चर्चा करने का सुअवसर प्रदान किया गया। मैं आमंत्रित उद्यमियों की सफलता से काफी प्रेरित हुआ और स्वयं का रोजगार करने का मन बनाया। सेवा निवृत्त के तत्काल बाद मैंने प्रदेश मुख्यालय लखनऊ की अन्य जनपदों से इसकी कनेक्टीविटी तथा पर्यटन की सम्भावनाओं को भॉपते हुए **जुलाई 2020 में "मेसर्स लखनऊ टूर्स एण्ड ट्रैवल्स"** के नाम से स्वयं की ट्रेवल एजेन्सी प्रारम्भ किया। इस कार्य से मुझे काफी अनुभव हुआ और साथ ही आमदनी का एक स्रोत भी बना।

इसी कड़ी में मैने अपने समय का और सदुपयोग करते हुए जनरल आर्डर सप्लाई का कार्य करने की ठान ली। मैं कई ऐसे प्रतिष्ठानों एवं उन उद्यमियों के साथ बातचीत करके जानकारियॉ भी हासिल की, कि कैसे जनरल आर्डर सप्लाई का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में मैने **अप्रैल 2022 में "मेसर्स ए0आई0 इन्टरप्राइजेज"** के नाम से एक फर्म का पंजीकरण कराया और **जी0एस0टी0 नम्बर** भी प्राप्त किया। मेरी फर्म **जेम पोर्टल** पर भी पंजीकृत है। मैं विगत लगभग 02 वर्षो से इस कार्य में संलग्न हूँ तथा मेरी फर्म को औसतन रू. 15.0 लाख वार्षिक टर्न ओवर हो जाता है जिससे मुझे प्रतिमाह लगभग रू. 30,000/– से रू, 40,000/– की बचत हो जाती है।

मैं अपने वर्तमान कार्य से संतुष्ट हूँ। मुझे इस मुकाम तक पहुँचाने हेतु डी0जी0आर0, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा लखनऊ के विभागीय अधिकारियों का आभार व्यक्त करता हूँ साथ ही उद्यमिता विकास संस्थान के फैकल्टीगणों और उन उद्यमियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने समय–समय पर मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे स्वरोजागर के लिये प्रेरित किया।